● वर्ष-2
● अंक-101
रायपुर, बुधवार
14 दिसंबर 2022
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

## इन दिनों

✍ आशीष तिवारी

### आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी

अगले साल होने वाले राजस्थान और मध्यप्रदेश समेत अन्य राज्यों के चुनाव में भाजपा से लेकर कांग्रेस पार्टी ने अपने-अपने दांव से चुनावी चौसर सजानी शुरू कर दी है। भाजपा जहां गुजरात में मिली एतिहासिक जीत के साथ उत्साह में हैं। वहीं कांग्रेस भी हिमाचल प्रदेश में भाजपा को सत्ता से बाहर कर अपनी जीत पर इतरा रही है। फिलहाल दोनों पार्टियों को मिली अलग-अलग राज्यों की जीत ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में नई ऊर्जा तो भर ही दी है। वहीं दोनों पार्टियां गुजरात और हिमाचल के अपने-अपने फॉर्मूले को अगले साल होने वाले चुनावों में इस्तेमाल करने वाली हैं। अगले साल होने वाले राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के चुनाव भाजपा और कांग्रेस पार्टी के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। भाजपा ने गुजरात में जो इतिहास रचा उसके पीछे जबरदस्त रणनीति ही रही है। इसमें सबसे अहम रणनीति का हिस्सा एक चौथाई नेताओं को दोबारा टिकट न देने से लेकर जनता के बीच मोदी के चेहरे और विश्वास का भुनाना शामिल है। पार्टी ने अगले साल होने वाले अलग-अलग राज्यों के चुनावों को लेकर न सिर्फ नीतियां बनानी शुरू कर दी हैं, बल्कि बीते कई महीनों से संगठनात्मक स्तर पर पूरा ढांचा दुरुस्त कर उसका फीडबैक भी लेना शुरू किया जा चुका है। वह कहते हैं कि कर्नाटक और तेलंगाना समेत छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में भाजपा ने बहुत प्रभावशाली तरीके से चुनाव की रणनीति और तैयारियां शुरू कर दी हैं। वह कहते हैं कि भाजपा को 2018 के चुनावों में कर्नाटक और मध्यप्रदेश में सत्ता तो नहीं मिली थी, लेकिन राजनीतिक परिस्थितियों के चलते बाद में भाजपा की सरकार बनी। इसलिए भाजपा को इस बार इन चुनावों में अलग रणनीति के साथ ही मैदान में उतरना होगा। अगले साल होने वाले चुनावों के लिए सिर्फ भाजपा ही नहीं, बल्कि कांग्रेस भी उसी तरीके की रणनीति बना रही है। कांग्रेस से जुड़े वरिष्ठ नेता बताते हैं कि हिमाचल प्रदेश में जिस तरीके से 'मुद्दों को आगे' करके और लोगों को सीधे तौर पर उनसे जोड़कर के चुनाव लड़ा गया, उसी पैटर्न पर अगले साल होने वाले विधानसभा के चुनाव में उतरेंगे। हालांकि अगले साल जिन राज्यों में चुनाव होने हैं, उसमें छत्तीसगढ़ और राजस्थान में तो कांग्रेस की सरकार भी है। जबकि 2018 के विधानसभा चुनाव में मध्यप्रदेश में भी कांग्रेस की सरकार बनी थी। कर्नाटक में भी राजनीतिक समीकरणों के चलते कांग्रेस की सरकार बनी थी।

# भारतीय सैनिकों ने चीनियों को वापस दौड़ाया

## तवांग पोस्ट पर कब्जा करने के इरादे से आयी थी चीनी पीएलए

**नई दिल्ली।** भारतीय और चीनी सैनिकों की अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के निकट एक स्थान पर नौ दिसंबर को झड़प हुई, जिसमें ''दोनों पक्षों के कुछ जवान मामूली रूप से घायल हो गए।'' भारतीय सेना ने यह जानकारी दी। पूर्वी लद्दाख में दोनों पक्षों के बीच 30 महीने से अधिक समय से जारी सीमा गतिरोध के बीच पिछले शुक्रवार को संवेदनशील क्षेत्र में एलएसी (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल) पर यांग्त्से के पास झड़प हुई। भारतीय थलसेना ने एक बयान में कहा, ''पीएलए (चीन की सेना) के सैनिकों के साथ तवांग सेक्टर में एलएसी पर नौ दिसंबर को झड़प हुई। हमारे सैनिकों ने चीनी सैनिकों का दृढ़ता से सामना किया। इस झड़प में दोनों पक्षों के कुछ जवानों को मामूली चोटें आईं।'' बयान में कहा गया है, ''दोनों पक्ष तत्काल क्षेत्र से पीछे हट गए। इसके बाद हमारे कमांडर ने स्थापित तंत्रों के अनुरूप शांति बहाल करने के लिए चीनी समकक्ष के साथ 'फ्लैग बैठक' की।'' सेना के बयान में झड़प में शामिल सैनिकों और घटना में घायल हुए सैनिकों की संख्या का उल्लेख नहीं किया गया। इसने कहा

कि तवांग सेक्टर में एलएसी पर क्षेत्रों को लेकर दोनों पक्षों की ''अलग-अलग धारणा'' है। हालांकि, एक सूत्र ने संकेत दिया कि इसमें 200 से अधिक चीनी सैनिक शामिल थे और वे डंडे और लाठियां लिए हुए थे और चीनी पक्ष की ओर घायलों की संख्या अधिक हो सकती है।

9 दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हाल ही में हुई झड़प में, हमले में शामिल लगभग 200 चीनी सैनिकों ने कथित तौर पर नुकीले क्लब और लाठियां ले रखी थीं। चीनी सैनिक भारतीय पोस्ट को हटवाने के लिए आये थे लेकिन हमला करने आये चीनी सैनिकों को भारतीय सेना ने मुहतोड़ जवाब दिया और उनके मंसूबों को कामयाब नहीं होने दिया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दोनों पक्षों को आमने-सामने आने के बाद चोटें आईं, हालांकि कोई भी मारा नहीं गया। चीनी पक्ष के घायल सैनिकों की संख्या बढ़ सकती है। सूत्रों के हवाले से ये दावा किया गया है।

### चीनियों को दिया मुंहतोड़ जवाब

सूत्रों ने कहा कि 300 से अधिक चीनी सैनिकों ने 17,000 फुट ऊंची चोटी तक पहुंचने का प्रयास किया था और भारतीय सेना के जवानों ने उन्हें विफल कर दिया था। यह इलाका अब बर्फ की चपेट में है। चीनी सैनिक एक भारतीय चौकी को उखाड़ना चाहते थे, लेकिन भारत की ओर से इस प्रयास को सफलतापूर्वक टाल दिया गया। दोनों पक्ष तुरंत क्षेत्र से हट गए।

### तवांग सेक्टर में चीन की नजर

1962 के भारत-चीन युद्ध में चीन ने तवांग को नियंत्रित करने का प्रयास किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस युद्ध में भारत के 800 जवान शहीद हुए थे। 1962 के युद्ध के बाद से तवांग में 17,000 फीट की ऊंचाई पर यांग्त्जी नदी पर चीन की नजर है। तभी से चीन यांग्त्जी पर कब्जा करने का सपना देख रहा है। भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान सीमा पर मैकमोहन रेखा पर चीन खामोश था। लेकिन 1947 में भारत को आजादी मिली और चीन ने अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया। चीन ने हमेशा भारत के अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा होने का दावा किया है। लेकिन इतिहास में इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि अरुणाचल प्रदेश तिब्बत का हिस्सा है।

### चीन यांग्त्जी को क्यों चाहता है?

तवांग से 35 किलोमीटर उत्तर पूर्व में यांग्त्से है। यांग्त्जी का अधिकांश भाग मार्च तक बर्फ से ढका रहता है। यांग्त्जी भारत के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है जितना चीन के लिए। यांग्त्जी से चीन सीधे तिब्बत पर नजर रख सकता है। इसके साथ ही चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास भी जासूसी कर सकता है।

### 2021 से हमले की तैयारी में पीएलए

तवांग में चीनी साजिश को लेकर एक और बात सामने आई है। पिछले साल से अरुणाचल में साजिश की तैयारी थी। 2021 से पीएलए अरुणाचल की तरफ बढ़ रही थी। सूत्रों के अनुसार पीएलए ने तवांग पर कब्जे का पूरा प्लान तैयार किया था।

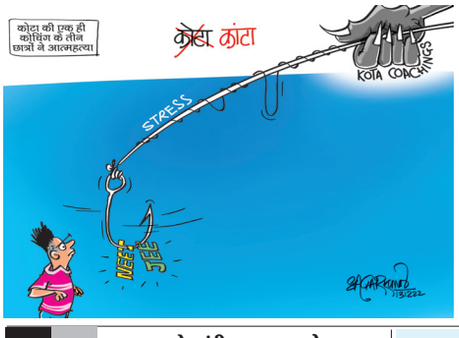


# देश में भगवान राम के साथ रोटी भी चाहिए-आरएसएस नेता

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने सोमवार को कहा कि देश में भगवान राम के साथ-साथ रोटी भी चाहिए, जिसका तात्पर्य उद्योग, धन और रोजगार से है क्योंकि दोनो मिलकर ही भारत की सभ्यता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह पूरे देश के लोगों के मन की इच्छा एवं आकांक्षा थी कि उत्तरप्रदेश के अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बने। 'स्वदेशी जागरण मंच' के स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत भोपाल सहित 16 जिलों के जिला रोजगार सृजन केंद्रों के लोकार्पण के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए होसबाले ने यह बात कही।

उन्होंने कहा, ''देश में हमने अस्मिता एवं संस्कृति की रक्षा की। (भगवान राम का) एक मंदिर अयोध्या में बने, यह पूरे देश के लोगों के मन की इच्छा एवं आकांक्षा थी। वह केवल एक राम मंदिर की। मंदिर तो हर एक गली में अपने देश में हैं। वह क्यों था? देश की अस्मिता के साथ एवं संस्कृति के साथ जुड़ी हुई भावना थी। इसलिए एक भावना उजागर हुई।'' उन्होंने आगे कहा, ''राम है तो रोटी भी चाहिए। राम और रोटी दोनों ही मिलकर भारत की सभ्यता हैं। इसलिए रोटी का अर्थ उद्योग है, धन है, लोगों का रोजगार और स्वावलंबी जीवन है।''

होसबाले ने भारतीय बैंकों को करोड़ों रुपये का चूना लगाने वाले और देश छोड़कर भागने वाले कारोबारियों पर निशाना साधते हुए कहा कि अधिकारियों ने उन्हें पकड़ने के लिए बहुत कम काम किया है। उन्होंने कहा, ''कई लोगों ने करोड़ों रुपये का भारी नुकसान पहुंचाया है। आप उन्हें पकड़ने के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं। हम सब कुछ जानते हैं। कुछ लोगों (कारोबारियों) ने बैंकों के साथ क्या किया है... क्या हमने उन्हें जेल भेजा है? कुछ भी नहीं किया गया है। एक युवा द्वारा 10 लाख रुपये (का ऋण) नहीं चुकाने के बारे में अधिक चिंता है।'' रोजगार सृजन के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर जोर देते हुए होसबाले ने कहा कि उनकी यात्राओं के दौरान उन्हें ऐसे युवा मिले हैं जो निराशा महसूस करते हैं। होसबाले ने कहा, ''वे (युवा) कहते हैं कि सरकार की नीति अच्छी है, लेकिन जब वे (अधिकारियों) से संपर्क करते हैं तो उन्हें (वित्तीय) सहायता नहीं मिलती है। इससे युवा निराश हो जाते हैं। क्या यह अच्छी व्यवस्था है?'' उन्होंने कहा, ''जब कोई उत्साही युवा कुछ हासिल करना चाहता है, तो उसे प्रोत्साहन मिलना चाहिए।

## प्रमुख समाचार

### आप ने संदीप पाठक को बनाया संगठन महासचिव, राष्ट्रीय पार्टी बनाने का दिया इनाम

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले संदीप पाठक को बड़ा इनाम मिला है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने संदीप पाठक को राष्ट्रीय संगठन महासचिव नियुक्त कर दिया है। वे पूरे देश में पार्टी संगठन को मजबूत करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्हें पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी का विशेष आमंत्रित सदस्य भी नियुक्त किया गया है। संदीप पाठक गुजरात विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रभारी नियुक्त किए गए थे। उनके नेतृत्व में पार्टी ने पहली बार में ही गुजरात में शानदार सफलता हासिल की और लगभग 13 फीसदी वोट हासिल करते हुए पांच सीटों पर जीत भी दर्ज की। इसके पहले संदीप पाठक पंजाब विधानसभा चुनावों के प्रभारी का दायित्व भी संभाल चुके हैं। उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ते हुए पार्टी ने पंजाब में एतिहासिक जीत दर्ज की थी। इसके बाद उन्हें राज्यसभा में भेजकर

### राज्यपाल को कुलाधिपति के पद से हटाने के लिए विधेयक पारित किया केरल ने

**नई दिल्ली।** केरल विधानसभा ने राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलाधिपति के पद से राज्यपाल को हटाने के लिए विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) विधेयक, 2022 पारित किया। हालाँकि, विपक्षी कांग्रेस ने एक शिक्षाविद् को चांसलर के रूप में नियुक्त करने पर आपत्ति जताई और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश को नियुक्त करने का सुझाव दिया। केरल के कानून मंत्री पी राजीव ने 7 दिसंबर को विधानसभा में एक संशोधन पेश किया, जहां चांसलर का फैसला किया जा सकता है। एक तीन सदस्यीय समिति जिसमें मुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता और अध्यक्ष शामिल हैं। विधानसभा में पेश किए गए संशोधन विधेयक के अनुसार, सरकार कृषि और पशु चिकित्सा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, साहित्य, कला सहित विज्ञान के किसी भी क्षेत्र में उच्च ख्याति प्राप्त शिक्षाविद या प्रतिष्ठित व्यक्ति की नियुक्ति करेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में संस्कृति, कानून या लोक प्रशासन। चांसलर को पांच साल की अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है और चांसलर के रूप में नियुक्त व्यक्ति एक या अधिक

### डिप्टी सीएम पद नहीं मिलने से नाराज धनीराम पहुंचे दिल्ली

**सोलन।** उप मुख्यमंत्री का पद नहीं मिलने से नाराज कर्नल धनीराम शांडिल दिल्ली पहुंच गए हैं। उन्होंने सोनिया गांधी से मिलने का समय मांगा है। शांडिल सीडब्ल्यूसी के सदस्य रह चुके हैं। बता दें

कांग्रेस की नई सरकार में एक ही संसदीय क्षेत्र हमीरपुर से सीएम और डिप्टी सीएम बनाए गए हैं। शांडिल इससे नाराज बताए जा रहे हैं। शिमला संसदीय क्षेत्र की अनदेखी के आरोप लग रहे हैं। सूत्रों के अनुसार शांडिल डिप्टी सीएम का पद शिमला संसदीय क्षेत्र को देने की मांग कर रहे हैं। बता दें पूर्व सांसद धनीराम शांडिल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और पिछली कांग्रेस सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रह चुके हैं। इसमें उनकी ओर से वरिष्ठता के साथ जातीय समीकरण को भी फैक्टर बताया गया है। सोलन जिले से इस बार कांग्रेस के चार विधायक चुने गए हैं। शांडिल लगातार तीन बार विधायक बने हैं। इसके अलावा संजय अवस्थी व राम कुमार भी दूसरी बार विधानसभा पहुंचे हैं। वहीं, प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के लिए जल्द ही सोलन में एक सम्मान समारोह रखा जाएगा।

### जो किया वो इतना जरूरी नहीं है, जो करने जा रहे हो वो और जरूरी है-राहुल गांधी

**सवाई माधोपुर।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि उन्होंने राजस्थान के

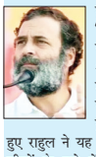

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को 'दो-तीन चीजें' बताई हैं जो की जानी चाहिए और जो उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं जो अब तक किया गया है। सवाई माधोपुर के कुस्तल में आयोजित नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए राहुल ने यह बात कही। हालांकि उन्होंने इन चीजों के बारे में विस्तार से बताने से इनकार किया। साथ ही राहुल ने राजस्थान में कांग्रेस सरकार की कई महत्वाकांक्षी योजनाओं की सराहना की और उम्मीद जताई कि राज्य सरकार अब जो जनता कह रही है उस पर कार्रवाई/काम करेगी। राहुल ने कहा, ''वे पार्टी को संदेश देना चाहते हैं कि जो किया वो इतना जरूरी नहीं है , जो करने जा रहे हो वो और जरूरी है।'' अपने संबोधन के दौरान राहुल गांधी ने कहा, ''अब दो, तीन चीजें राजस्थान की सरकार के बारे में कहना चाहता हूं .मैंने सुना अभी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने यह किया वो किया। ये

### श्री अरबिंदो की 150वीं जयंती मोदी ने स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी किया

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए श्री अरबिंदो की 150वीं जयंती के अवसर पर स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस अवसर पर मैं सभी देशवासियों को अनेक शुभकामनाएं देता हूं। श्री अरबिंदो का 150वां जन्म वर्ष पूरे देश के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। उनकी प्रेरणाओं, विचारों को हमारी नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए देश ने इस पूरे साल को विशेष रूप से मनाने का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा कि इसके लिए एक उच्च स्तरीय कमेटी गठित की गई थी, संस्कृति मंत्रालय के नेतृत्व में तमाम अलग-अलग कार्यक्रम भी हो रहे हैं। जब प्रेरणा और कर्तव्य, मोटिवेशन और एक्शन एक साथ मिल जाते हैं, तो असंभव लक्ष्य भी अवश्यम्भावी हो जाते हैं। आजादी के अमृतकाल में आज देश की सफलताएं, देश की उपलब्धियां और सबका प्रयास का संकल्प इस बात का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि श्री अरबिंदो का जीवन एक भारत श्रेष्ठ भारत का प्रतिबिंब है।

**विश्लेषण**

**छत्तीसगढ़ विधानसभा गठन से आज तक (स्थापना दिवस 14 दिसम्बर के संदर्भ में )**

# छत्तीसगढ़ विधानसभा ने अल्पकाल में कई ऊंचाईयों को प्राप्त किया

**चन्द्र शेखर गंगराड़े**

छत्तीसगढ़ विधानसभा छत्तीसगढ़ राज्य का गठन 1 नवम्बर, 2000 को हुआ था। छत्तीसगढ़ राज्य के अस्तित्व में आने के बाद छत्तीसगढ़ विधानसभा की पहली बैठक राजधानी रायपुर स्थित राजकुमार कॉलेज के प्रांगण में अस्थाई रूप से जशपुर हाल में निर्मित सभागार में 14 दिसम्बर को हुई थी। तब से जिस प्रकार 1 नवम्बर को राज्य के स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है उसी प्रकार 14 दिसम्बर को विधानसभा की स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है और जिस प्रकार राज्य की स्थापना दिवस को शासकीय अवकाश घोषित किया जाता है उसी प्रकार छत्तीसगढ़ विधानसभा की स्थापना दिवस को भी वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने विधानसभा के लिए विशेष अवकाश घोषित किया है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के गठन के बाद से छत्तीसगढ़ विधानसभा ने अपनी संसदीय यात्रा में कई ऊंचाईयों को प्राप्त किया है और कई नये कीर्तिमान भी स्थापित किये हैं । जहाँ एक ओर नवाचार के माध्यम से कई नई चीजों की शुरुआत की वहीं विधानसभा में सभी विषयों पर पर्याप्त चर्चा हो और सभी सदस्यों को बोलने का अवसर प्राप्त हो इस बात का भी प्रयास किया गया। छत्तीसगढ़ विधानसभा को इस बात का गौरव प्राप्त है कि भारत के महामहिम राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने देश की स्वतंत्रता के उपरांत सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ विधानसभा में माननीय सदस्यों को 28 जनवरी 2004 को संबोधित किया। उसके बाद भारत की राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी पाटिल ने भी सभा में सदस्यों को संबोधित किया।

छत्तीसगढ़ विधानसभा को पूरे देश में इस बात के लिए भी जाना जाता है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा ने अपने नियमों में गर्भगृह पर प्रवेश करने पर स्वयमेव निलंबन का नियम बनाया और उसका परिणाम है कि सदस्यगण विरोध प्रकट करने हेतु सदन के गर्भगृह में सामान्य तौर पर नहीं आते । यदा-कदा ऐसे अवसर यदि कभी आते भी हैं तो सदस्यगण नियम का सम्मान करते हुए निलंबित होते ही सभागृह से चले जाते हैं । वहीं दूसरी ओर कितनी भी राजनीतिक प्रतिद्वंदिता क्यों न हो उनका निलंबन भी आसंदी द्वारा तत्काल समाप्त कर दिया जाता है ताकि सदस्यगण लोकहित के विषयों पर सदन में अपनी बात रख सकें। राज्य गठन के उपरांत विधानसभा के लिए सर्वसुविधाजनक भवन के चयन की आवश्यकता थी अतः बलौदा बाजार रोड़ पर जीरो प्वाइंट के निकट भारत सरकार के द्वारा निर्मित राजीव गांधी जल ग्रहण मिशन के भवन का चयन विधानसभा के लिए किया गया और विधानसभा की आवश्यकता के अनुसार उसमें आवश्यक परिवर्तन किए गये और इस भवन में

छत्तीसगढ़ विधानसभा के दूसरे सत्र और पहले बजट सत्र की पहली बैठक दिनांक 27 फरवरी 2001 को हुई।

वर्तमान की आवश्यकताओं को देखते हुए वर्तमान भवन के स्थान पर नये सुसज्जित भव्य भवन का भूमि पूजन मा.विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, मा. मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की गरिमामयी उपस्थिति में मा. श्रीमती सोनिया गांधी द्वारा नवा रायपुर में किया गया है, जिसका निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। नये राज्य का गठन होने के बाद अल्प समय में ही छत्तीसगढ़ विधानसभा ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया जिसमें वर्ष 2005 में भारत के पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन और 2010 में चतुर्थ इंडिया एशिया रीजन राष्ट्रकुल संसदीय सम्मेलन का सफलता पूर्वक आयोजन किया इसके साथ ही विधेयकों के प्रारूपण पर केंद्रित एक अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन वर्ष 2005 में किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद यहाँ के पत्रकारों को छत्तीसगढ़ विधानसभा की कार्यवाही की रिपोर्टिंग किस प्रकार हो उससे भिज्ञ कराने की दृष्टि से पत्रकारों के लिए भी एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जिसमें देश के प्रतिष्ठित पत्रकारा को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया साथ ही संसदीय क्षेत्र में प्रख्यात विशेषज्ञों को भी आमंत्रित कर उनके व्याख्यान आयोजित किए गए ताकि प्रदेश की जनता को भी विधानसभा की गतिविधियों की जानकारी हो सके।

छत्तीसगढ़ी बोली को राजभाषा का दर्जा देने संबंधी विधेयक विधानसभा में प्रस्तुत होन के बाद ही छत्तीसगढ़ विधानसभा में छत्तीसगढ़ी में बोलने और उसके अनुवाद हेतु अनुवादकों की व्यवस्था की गई। संभवत: देश के इतिहास में सबसे लंबी बैठक बिना किसी भोजन अवकाश के चलाने का गौरव भी छत्तीसगढ़ विधानसभा को प्राप्त है, दिनाँक 22 दिसम्बर 2017 को बैठक प्रारंभ होने के बाद बैठक लगातार 19 घंटे चली जिसमें अविश्वास प्रस्ताव पर लंबी चर्चा हुई। कोरोना काल में विधानसभा की कार्यवाही बिना किसी अवरोध के हो यह भी एक चुनौती थी किंतु विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत के निर्देशन में आवश्यक व्यवस्थाएं की गई और जब कई विधानसभाओं में सत्र सीमित अवधि के हुए वहीं छत्तीसगढ़ विधानसभा ने निरोधात्मक उपाय करते हुए सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से संचालित हुई।

राष्ट्रपिता महात्मागांधी की 150 वी जयंती पर छत्तीसगढ़ विधानसभा का विशेष सत्र भी अविस्मरणीय रहा। इसप्रकार यह कहा जा सकता है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा ने अपनी 22 वर्ष की यात्रा में कई ऐसे कार्य किये हैं, जिनकी सराहना न केवल लोकसभा अध्यक्षों ने बल्कि विभिन्न पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलनों में भी हुई है और इसका श्रेय छत्तीसगढ़ विधानसभा के माननीय अध्यक्ष गण, मा. मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और समस्त विधायकों को जाता है। राष्ट्रपिता महात्मागांधी की 150 वी जयंती पर छत्तीसगढ़ विधानसभा का विशेष सत्र भी अविस्मरणीय रहा। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा ने अपनी 22 वर्ष की यात्रा में कई ऐसे कार्य किये हैं, जिनकी सराहना न केवल लोकसभा अध्यक्षों ने बल्कि विभिन्न पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलनों में भी हुई है और इसका श्रेय छत्तीसगढ़ विधानसभा के माननीय अध्यक्ष गण, मा. मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और समस्त विधायकों को जाता है।

**( लेखक छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व प्रमुख सचिव हैं )**